Vikas Parakh-July-19.qxd 7/11/2019 10:24 AM Page 1

www.vikasparakh.com

छत्तीसगढ़ विषयक मासिक पत्रिका

विकास परख

● वर्ष- 5, ● अंक- 03 ● रायपुर, 1 जुलाई 2019 ● मूल्य -30 रुपए ● पृष्ठ- 32

विशेष पहल

स्व-परख प्रतियोगिता

विस्तृत जानकारी के लिए देखें पृष्ठ 30

विषय क्रम

» जनजातीय संस्कृति

» धार्मिक स्थल

मुख्य परीक्षा विशेष अतिरिक्तांक
प्रश्न पत्र वार उपलब्ध

1 भाषा
3 भारत का इतिहास, संविधान, लोक प्रशासन
4 सामान्य विज्ञान, योग्यता परीक्षण, व्यवहारिक विज्ञान
5 भारतीय दर्शन एवं समाज शास्त्र
6 अर्थव्यवस्था एवं भूगोल
7 कल्याणकारी, विकासात्मक कार्यक्रम एवं कानून

राजकोषीय अनुशासन में प्रदेश श्रेष्ठ

राजकोषीय प्रदर्शन सूचकांक पर राज्यों में बिहार पहले नंबर, मध्य प्रदेश दूसरे और छत्तीसगढ़ तीसरे स्थान पर है। वहीं राजकोषीय अनुशासन के मामले में सबसे खराब प्रदर्शन पश्चिम बंगाल, पंजाब और केरल का रहा है।

उद्योग संगठन कान्फडेरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज सीआइआइ ने इस रिपोर्ट में राजकोषीय अनुशासन के पैमाने पर राज्यों के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए 2004-05 से लेकर 2016-17 की अवधि में नॉन-स्पेशल कैटेगरी में शामिल 18 राज्यों का राजकोषीय प्रदर्शन सूचकांक (फिस्कल परफॉर्मेंस इंडेक्स) तैयार किया। यह सूचकांक चार मानकों- राजस्व व पूंजी व्यय सूचकांक, राज्य के अपने टैक्स की प्राप्तियों का सूचकांक, राजकोषीय व राजस्व घाटे को दर्शाने वाले डेफिसिट प्रूडेंस इंडेक्स और कर्ज सूचकांक के आधार पर तैयार किया गया है। महाराष्ट्र, गुजरात और हरियाणा जैसे उच्च आमदनी वाले राज्य लगातार इस सूचकांक पर पिछड़ रहे हैं। व्यय की गुणवत्ता के मामले में आर्थिक रूप से समृद्ध राज्यों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। सीआइआइ का कहना है कि कम आय वाले राज्यों में बिहार, छत्तीसगढ़ और ओडिशा ने व्यय में गुणवत्ता बरतते हुए हाल के वर्षो में लगातार राजकोषीय सूचकांक पर शानदार प्रदर्शन किया है।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआइआइ) ने केंद्र और राज्यों के राजकोषीय प्रदर्शन का आकलन करने के लिए यह सूचकांक तैयार किया है। सीआइआइ का कहना है कि समग्र राजकोषीय प्रदर्शन सूचकांक केंद्र और राज्यों के स्तर पर बजट की गुणवत्ता को परखने का तरीका है।

राज्य सूचकांक स्कोर

बिहार	66.5
मध्य प्रदेश	65.9
छत्तीसगढ़	64.6
ओडिशा	61.5
आंध्र प्रदेश	60.4
तेलंगाना	59.2
उत्तर प्रदेश	55.9
गोवा	53.3
कर्नाटक	53.0
तमिलनाडु	49.0
झारखंड	48.4
गुजरात	43.6
हरियाणा	42.1
महाराष्ट्र	41.8
राजस्थान	37.0
केरल	33.7
पंजाब	25.7
पश्चिम बंगाल	23.3

लिंगानुपात में छत्तीसगढ़ अव्वल

देश भर के लिंगानुपात में 8 अंक की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है. साल 2015-16 के मुकाबले अब प्रति 1,000 लड़कों पर 931 लड़कियों का औसत दर्ज किया गया है. साल 2019 के मार्च तक केरल और छत्तीसगढ़ इसमें अव्वल रहे.

दोनों राज्यों में प्रति हजार लड़कों पर 959 लड़कियों का औसत दर्ज किया गया. इसके बाद मिजोरम में यह आंकड़ा 958, गोवा में 954, दमन और दीव में 889, लक्षद्वीप में 891 और पंजाब में 900, प्रति हजार लड़कों तक पहुंचा है.

साल 2015-16 में यह आंकड़ा प्रति हजार लड़कों पर 923 था. संसद में दिए गए जवाब के अनुसार, 21 राज्य और संघ शासित प्रदेशों में, जहां 2017-18 के मुकाबले लिंगानुपातं में बढ़ोत्तरी हुई उसमें अंडमान और निकोबार द्वीप 51 अंकों के साथ नंबर 1 पर था, जहां प्रति हजार 897 का आंकड़ा से 948 तक पहुंच गया. इसके बाद सिक्किम में आंकड़ा 928 से 948 और तेलंगाना में 943 से 925 प्रति हजार लड़कों तक पहुंच गया.

साल 2017-18 की तुलना में 12 राज्यों में गिरावट दर्ज की गई. 42 अंकों की सबसे बड़ी गिरावट अरुणाचल प्रदेश (956 लड़कियों से 914 तक) में देखी गई, उसके बाद जम्मू और कश्मीर में (958 लड़कियां से 943 तक आंकड़ा पहुंच गया. इसके बाद तमिलनाडु 947 से 936 लड़कियों तक और महाराष्ट्र , 940 लड़कियों से 930 प्रति हजार की गिरावट दर्ज की गई.

रायपुर की शिवानी फेमिना मिस इंडिया में दूसरे स्थान पर

फेमिना मिस इंडिया 2019 में छत्तीसगढ़ की शिवानी जाधव फर्स्ट रनर अप रही हैं . राजस्थान की सुमन राव मिस इंडिया बनी हैं तो छत्तीसगढ़ की शिवानी जाधव फर्स्ट रनर अप और बिहार की श्रेया शंकर सेकेंड रनर अप रहीं. छत्तीसगढ़ की शिवानी जाधव इस साल मिस ग्रांड इंटरनेशनल में भारत को रिप्रजेंट करेंगी. शिवानी जाधव ने ब्यूटी पीजेंट फेमिना मिस इंडिया 2019 में छत्तीसगढ़ को रिप्रजेंट किया है. शिवानी ने मिस छत्तीसगढ़ 2019 का खिताब अपने नाम किया था. शिवानी पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर है.

भूपेश सरकार में 13वें मंत्री बने अमरजीत सिंह भगत

छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार में आदिवासी नेता और सीतापुर से विधायक अमरजीत सिंह भगत 13वें मंत्री होंगे। सीतापुर से चार बार के लगातार विधायक अमरजीत सिंह सरगुजा से टीएस सिंहदेव और प्रेमसाय सिंह टेकाम के बाद तीसरे चेहरे होंगे, जिन्हें सरकार में शामिल किया जा रहा है। प्रदेश में सरकार के गठन के छह माह बाद मंत्रीमंडल का विस्तार होने जा रहा है।

वर्ष 2003 में पहली बार बने विधायक

अमरजीत सिंह भगत वर्ष 2003 में पहली बार सीतापुर सीट से विधायक चुने गए। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी राजाराम भगत को हराया। इसके बाद 2008 के चुनाव में उन्होंने भाजपा के गणेशराम भगत, 2013 के चुनाव में फिर भाजपा के राजाराम भगत और 2018 के चुनाव में भाजपा के ही गोपाल राम को शिकस्त देकर लगातार चौथी बार विधायक चुने गए हैं। अमरजीत वर्तमान में कांग्रेस के प्रदेश आदिवासी समाज के अध्यक्ष हैं

संपर्क सूत्र- 7587776754
E-mail-
mail.vikasparakh@gmail.com

Vikas Parakh-July-19.qxd 7/11/2019 10:24 AM Page 2

संपादकीय

मुख्य परीक्षा के लिए शुभकामनाएं

इस माह छत्तीसगढ़ लोक सेवा की मुख्य परीक्षा होने वाली है। इस वर्ष परीक्षार्थियों को एक माह अधिक समय तैयारी के लिए मिला। इसकी वजह मुख्य परीक्षा के ढांचे में बदलाव और एक नए पर्चे का जुड़ना रही। इस साल ज्यादातर परीक्षार्थी जो मुख्य परीक्षा में शामिल होंगे, वे कम अनुभवी और ज्यादातर ग्रामीण अंचलों के हैं। ऐसा अनुभव होता है। लंबे समय से तैयारी करने वाले परीक्षार्थी कड़ी मेहनत के बावजूद प्रारंभिक परीक्षा में सरल प्रश्न पत्र आने के कारण सफल नहीं हो पाएं। ऐसी स्थिति में इस बार मुख्य परीक्षा में मुकाबला कम अनुभवी परीक्षार्थियों के बीच होगा। इसका अर्थ यह नहीं है कि अनुभवी परीक्षार्थी है नहीं, संख्या थोड़ी कम हुई सी लगती है। वैसे इस साल की मुख्य परीक्षा में नए-नवेले हो या अनुभवी सभी को परीक्षा के नए ढांचे में परीक्षा देनी होगी। इसलिए उनका पुराना अनुभव संभव है काम न आएं। नए ढांचे में होने वाली परीक्षा का परिणाम ही बताएगा कि यह परीक्षार्थियों के सरल रहा या कठिन। वैसे पिछले कई वर्षों से मुख्य परीक्षा का कटऑफ लगभग आठ सौ से साढ़े आठ सौ के बीच जा रहा है।

परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों को यह ध्यान रखना चाहिए कि साल दो साल से जिस परीक्षा के लिए परिश्रम करते आ रहे हैं, वह परीक्षा अब शुरु हो रही है। इसलिए घर या लाइब्रेरी में बैठकर मेहनत करने का परिणाम परीक्षा हाल में मिलेगा। इसलिए जब वे परीक्षा देने जाएं तो अपनी तैयारी का आत्मविश्वास और परीक्षा देते समय तीन घंटे अपना मनोबल और धैर्य बनाएं रखें। बहुत संख्या में ऐसे परीक्षार्थी भी होते हैं जो घर में पढ़ाई बहुत करते हैं, उनको जानकारी भी होती है लेकिन जब परीक्षा का पर्चा मिलता है तो आत्मविश्वास डगमगा जाता है। मानसिक रुप से तैयार होकर परीक्षा देने घर से निकले। यह एक तरह से एक युद्ध है, जिसमें जीत और हार आपके भविष्य को तय करेगा। परीक्षार्थियों के लिए एक और महत्वपूर्ण सलाह यह है कि पर्चा मिलने के बाद एक बार सारे प्रश्नों को पढ़ लें। कोशिश करें कि जिस खंड से उत्तर लिखना शुरु करें, उस खंड को खत्म कर दूसरे खंड में जाएं। किसी प्रश्न का उत्तर लिखने से पहले पूरा उत्तर लिख पाएंगे या नहीं यह दिमाग में एक ढांचा बना लें। कई बार उत्तर लिखना शुरु करते है फिर बीच में उसे काटकर फिर नया प्रश्न चुनते हैं। ऐसा करने से समय भी खराब होता है और जांच वाले के मन में परीक्षार्थी के प्रति अच्छी छवि नहीं बनती है। कड़ी मेहनत का सुखद परिणाम हो तो आनंद आता है। कड़ी प्रतियोगिता जीवन में हार-जीत का सबक सिखाती है।

छत्तीसगढ़ की गोदना प्रथा और मान्यताएँ

गुदना गुदाने की प्रथा छत्तीसगढ़ क्षेत्र की कतिपय अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों में पाई जाती है। छत्तीसगढ़ के प्रमुख रामनामी समुदाय (सारंगढ़ तथा महानदी के पार वाले इलाके में निवास) की विशेषता है कि चेहरे सहित पुरे शरीर में ये राम का नाम गुदवा लेते है। रामनामियों में लड़का पैदा होने पर, निश्चित उम्र में एक संस्कार के तहत शरीर पर राम नाम गुदवाया जाता है। लेकिन लड़कियों के शरीर में राम नाम विवाह के बाद गुदवाने की प्रथा है।

गुदना गुदाने कष्टदायक प्रक्रिया आदिम समाज में पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तान्तरित होती चली आ रही है समुदाय के बुजुर्गो ने सुईयों से ही राम नाम गुदवाया है। अब मशीनों द्वारा यह प्रक्रिया की जाती है। सामाजिक मान्यता है कि मृत्यु के उपरांत भौतिक जगत की सभी वस्तुएँ, वस्त्र या आभूषण इत्यादि इसी लोक में छूट जाते हैं किन्तु गोदना आत्मा के साथ परलोक तक जाता है। गोदना में निहित जादू तथा पराशक्ति पर विश्वास भी इस जगत में आने वाले कष्टों से रक्षा और अलंकरणों के रूप में उनके सौंदर्य में अभिवृध्दि करते हैं। गोदने का कार्य माँ या परिवार में कोई बड़ी-बूढ़ी स्त्री करती है। लड़कियों के शरीर में गोदना सात वर्ष उम्र से प्रारंभ किया जाता है।जो जाति (देवार) गोदना करती है, उन्हें गुदनारी कहा जाता है। जिसके बदले में पारिश्रमिक के रूप में नगद रूपया, धान,चावल आदि प्राप्त होते है। एक प्रचलित किंवदंती इस प्रकार है- पति के तानों से पत्नी ने भूखा रहना निश्चय किया और जब उसको भूखे रहते हुए पूरे सात दिन हो गये तो आठवें दिन देवी ने उसे अपने पास बुलाया और सरई के वृक्ष से एक काला पदार्थ निकालकर बाँस की सीखों से उसके गालों में गोदने बना दिये और कहा कि जिस तरह मैंने तुम्हें गोद दिया है, उसी तरह तुम अन्य पहाड़ी जातियों को गोदा करो। मूल भावना है कि जो स्त्री गोदना की पीड़ा सह लेगी वह अपने वैवाहिक जीवन के अनेक संघर्षो को भी सहज झेल लेगी। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र के आदिम समाजों में विवाह के पूर्व यदि किसी लड़की का शरीर गुदा नहीं होता है, तो उन्हें हेय दृष्टि से देखा जाता है। विवाह के समय उसका ससुर उसके पिता से इसके लिए क्षतिपूर्ति लेता है। विवाह के पूर्व में किये गये गुदना को माता द्वारा प्रदत्त गुदना और विवाह के पश्चात् वाला पति के परिवार द्वारा प्रदत्त गुदना कहा जाता है।

गोदना अलंकरणों में अनेक टोटकों में प्रतिकूल अभिचार के प्रतिरोध के रूप में शरीर के विभिन्न अंगो पर करने का प्रचलन है। गोदना कामेच्छा की पूर्ति (बिच्छु, मधुमक्खी, मुर्गी-मुर्गा, मृग-मृगी) सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ाने, जादूई प्रभाव रखने, पराशक्ति को सुरक्षा के लिये रिझाने, सौंदर्य की वृध्दि, आभूषण की मानसिक पूर्ति करने वाले, नृत्य, प्राकृतिक और मनुष्य के ऐतिहासिक मिथकीय संबंधों को उजागर करने वाले, शारिरिक सज्जा के अमिट आदिम चिन्हें हैं, आधुनिकता के रूझान में सघन गोदना के प्रति महिलाओं को अरूचि दिखाई देती है।

विकास परख वार्षिक सदस्यता योजना

शुल्क एक वर्ष : 300+ 50 रूपए डाक व्यय = 350 रूपए

कृपया सदस्यता शुक्ल नकद/ मनी ऑर्डर/बैंक ड्राफ्ट द्वारा या नेट बैंकिंग से विकास परख के नाम से एकाउंट नंबर (A/C. 496801010036892, IFS-Code-UBIN 0549681) में नेट बैंकिंग/मनी आर्डर/बैंक ड्राफ्ट/नगद के माध्यम से जमा कर रसीद को प्रमाण के रुप में **व्हाट्अप नं. 7587776754** में भेजें।

कृपया अपना पता भेजें :
नाम-
पता-
मकान नं.- गली नं-
पोस्ट/तहसील-
जिला- राज्य-
पिन कोड -फोन नं.-
प्रमाण हेतु मनी आर्डर/ बैंक ड्राफ्ट की फोटो प्रति

नोटः वार्षिक सदस्यता योजना दुरस्थ इलाकों में रहने वाले प्रतियोगियों की सहायता के उद्देश्य से अतिरिक्त समय निकालकर सावधानीपूर्वक की जाने वाली सेवा है। जो कि डाक विभाग द्वारा निर्धारित तिथि हर माह की 5 तारीख को निश्चित रुप से एक साथ सभी सदस्यों को पोस्ट कर दी जाती है। सदस्यों को पहुंचने में होने वाली देरी कोई तकनीकी त्रुटि या पोस्ट आफिस सेवा की चूक होती है। कृपया उक्त भाव को समझते हुए ही अपनी सदस्यता सुनिश्चित करें।

सदस्यता तिथि समाप्त होने से पूर्व नवनीकरण करा लें ताकि निरंतरता बनी रहे।

विकास परख

द्वारा- गुरूकुल, 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर छ.ग. मो. 75877-76754

पत्रिका मिलने का स्थान

रायपुर
- रामचन्द्र बुक स्टॉल, पुराना बस स्टैण्ड
- कुशल बुक स्टॉल, पुराना बस स्टैण्ड
- अजय बुक डिपो, सदर बाजार
- सुरेश बुक डिपो, सदर बाजार
- महामाया बुक डिपो, काली बाड़ी चौक
- गुप्ता पुस्तक मंदिर
- अनिल बुक डिपो

राजनांदगांव
- अजय पुस्तक महल जयस्तंभ चौक
- भारती भंडार, भारत माता चौक
- गुप्ता बुक डिपो

डोंगरगांव
- जैन बुक स्टाल, पुराना बस स्टैण्ड

अंबिकापुर
- महामाया बुक डिपो, नगर निगम पानी टंकी के पास
- अंबिका बुक डिपो, उर्सु लाइन नवापारा

बिलासपुर
- एलोरा बुक डिपो, पुराना हाईकोर्ट रोड
- महामाया बुक डिपो, पुराना हाईकोर्ट रोड
- बुक च्वॉईस सेंटर, जीत टाकीज के पास
- देवांगन बुक डिपो, पुराना हाईकोर्ट
- नर्मदा बुक डिपो

धमतरी
- आदित्य बुक स्टाल, सिहावा चौक

महासमुंद
- अरिहंत बुक डिपो, अपना बाजार

दुर्ग
- खेमका बुक डिपो, दीपक नगर

पत्र भेजें

छत्तीसगढ़ आधारित प्रतियोगी परीक्षाओं को ध्यान में रख के विकास परख का प्रकाशन किया जा रहा है। हमारा यह अंक आपको कैसा लगा? अथवा आप किस प्रकार की सामग्री विकास परख में शामिल करवाना चाहते हैं। इस संबंध में हमें mail.vikas-parakh@gmail.com पर पत्र भेजें अथवा आप 7587776754 पर मैसेज भी कर सकते हैं।

सूचना- प्रकाशित अंक में कोई त्रुटि होने पर कृपया मोबाइल नं. 7587776754 पर त्रुटि पृष्ठ का फोटो या संदेश व्हाट्अप अथवा एसएमस करें।

विकास परख

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक एवं प्रकाशक-शत्रुघन प्रसाद शर्मा द्वारा मीडिया मिशन प्राईवेट लिमिटेड, प्रेस काम्प्लेक्स रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.), छत्तीसगढ़ से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति आजाद चौक, रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित।

आरएनआई रजि. क्र.-
CHHHIN/2015/65135
Postal Regn No.C.G./RYP
DN/57/2016-18
फोन-7587776754

संपादक
डॉ. स्मिता शर्मा

सहयोगी
● श्वेता दीवान ● निवेदिता बैस

आकल्पन एवं कला संयोजन
मीना निब्रड एवं कृष्णा वर्मा

Vikas Parakh-July-19.qxd 7/11/2019 10:24 AM Page 4

व्यक्तित्व

सतीश चंद्र वर्मा

छत्तीसगढ़ में अपर महाधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा को प्रदेश का नया महाधिवक्ता नियुक्त किया गया है. इस संबंध में राज्यपाल के नाम से विधि और विधायी कार्य विभाग ने पत्र जारी कर दिया गया है. कुछ ही महीने पहले कनक तिवारी को महाधिवक्ता नियुक्त किया गया था.

डॉ. एस. भारतीदासन

राज्य शासन ने डॉक्टर एस . भारतीदासन को रायपुर का नया कलेक्टर बनाया है। वे इससे पहले राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी का दायित्व संभाल रहे थे। भारतीदासन इससे पहले सूरजपुर और जांजगीर चांपा में भी कलेक्टर का पद संभाल चुके हैं। वे 2006 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। इसके पहले डॉ बसवराजू एस रायपुर के कलेक्टर थे।

कैप्टन डीएस मिश्रा

छत्तीसगढ़ राज्य के पूर्व चीफ पायलट कैप्टन डीएस मिश्रा ओडिशा में विधानसभा चुनाव जीतकर मंत्री बन गए हैं। उन्होंने ओडिशा की जुनागढ़ विधानसभा से बीजू जनता दल की टिकट पर चुनाव लड़ा था और इसमें वे भारी मतों से विजयी रहे। उन्हें राज्य का ऊर्जा मंत्री बनाया गया है। मध्यप्रदेश से अलग होकर छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद 13 वर्षों तक कैप्टन डीएस मिश्रा ने राज्य में चीफ पायलट के रूप में अपनी सेवाएं दी थीं। वे लंबे समय तक पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह के पायलट रहे हैं।

किशन लठारे

सिंगापुर में इंटरनेशनल ग्लोबल थियेटर फेस्टिवल में चांपा निवासी किशन लठारे ने किसान की दशा पर आधारित नाटक में एक साथ 6 भूमिका निभाई। बेहतर अभिनय के लिए उन्हें बेस्ट एक्टर के तौर पर गोल्ड मैडल हासिल हुआ।

याशी जैन

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ की बेटी याशी जैन विश्व के सात महाद्वीपों के सबसे ऊंचे पर्वत पर चढ़ने का लक्ष्य रखा है। ऐसा करने वाली वह छत्तीसगढ़ की एकमात्र बेटी हैं। एक जुलाई को वह यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एलब्रूस पर चढ़ेंगी और भारत देश का तिरंगा ध्वज फहराएंगी। इसके पूर्व याशी माउंट एवरेस्ट के बेसकैंप तक चढ़ाई कर चुकी हैं।

निधन

लोक संगीतकार खुमान साव

छत्तीसगढ़ी लोक संगीत की देश दुनिया में पहचान बनाने वाले प्रसिद्ध संगीतकार खुमान साव ने अपने पैतृक गांव ठेकुआ में 90 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे।

खुमान साव ने प्रदेश की लोक कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए चंदैनी गोंदा संस्था की स्थापना की। इसके माध्यम से उन्होंने पांच हजार से अधिक प्रस्तुतियां दीं। संगीत के क्षेत्र में उनके विशेष योगदान के लिए भारत सरकार की ओर से उन्हें संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वर्ष 1929 को जन्मे खुमान साव की बचपन से ही रुचि संगीत में रही। किशोर अवस्था में वे नाचा के युग पुरूष दाऊ मंदराजी के साथ जुड़ गए थे। 70 के दशक में उनकी मुलाकात दाऊ रानचंद्र देशमुख से हुई और यहीं से उन्होंने अपने जीवन की एक नई शुरुआत की। चंदैनी-गोंदा में वे बतौर संगीत निर्देशक काम करने लगे।

स्वर्गीय श्री खुमान साव की मूर्ति स्थापित की जाएगी

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने स्वर्गीय श्री खुमान साव की स्मृति को चिर स्थायी बनाये रखने के लिए उनकी मूर्ति की स्थापना करने, उनकी स्मृति में हर वर्ष समारोह के आयोजन और कला के क्षेत्र में उनके नाम पर पुरस्कार स्थापित करने की घोषणा की।

बनेगी बायोपिक फिल्म

खुमान लाल साव के जीवन पर आधारित बायोपिक फिल्म का निर्माण करेंगी। सारवा ब्रदर्स फिल्म्स प्रोडक्शन और मां नर्मदा फिल्म्स के बैनर तले यह फिल्म का निर्माण किया जाएगा।

के.के. वासुदेवन

बस्तर संभाग के वरिष्ठ पत्रकार व श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ के प्रदेश महासचिव के.के. वासुदेवन दादाजी का 22 जून को देवास में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। शासकीय सेवा के पश्चात पत्रकारिता में आए वासुदेवन श्रम कानून के अच्छे जानकार थे। 80 और 90 के दशक में वे कांग्रेस और इंटक में भी काफी सक्रिय रहे। दादाजी छत्तीसगढ़ बस्तर संभाग के वरिष्ठ पत्रकार व श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ के प्रदेश महासचिव थे।

पुरस्कार/सम्मान

जीवन रक्षा पदक- किशोर राय

बलरामपुर जिले के तामेश्वरनगर निवासी किशोर राय (20) को मरणोपरांत राष्ट्रपति ने जीवन रक्षणार्थ सेवा को मान्यता दी है। भारत सरकार के गृहमंत्री ने स्व. किशोर राय को वर्ष 2018 का सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक प्रदान किया है। उनके पिता तापस राय को यह पदक व दो लाख का चेक बलरामपुर कलेक्टर संजीव झा ने प्रदान किया है।

31 जुलाई 2017 को सावन सोमवार के दिन धरमजयगढ़ के मांड नदी से जल लेने पहुंचे किशोर राय ने नदी में डूब रहे तीन बच्चों को बचाते समय खुद की जिंदगी गंवा दी थी। इस घटना में तीनों बच्चे भी डूब गए थे। प्रशासन ने किशोर राय को मरणोपरांत सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक प्रदान करने की अनुशंसा की थी।

राष्ट्रीय अंबेडकर अवार्ड- चमन भारती बंजारे

पलारी निवासी मेधावी छात्रा चमन भारती बंजारे को 11 जून को प्रतिष्ठित डॉ. अंबेडकर राष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित किया गया है। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत गठित डॉ. अंबेडकर प्रतिष्ठान द्वारा हर साल अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के मेधावी छात्राओं को यह पुरस्कार दिया जाता है। पुरस्कार स्वरूप छात्रा को 40 हजार रुपए का ड्राफ्ट एवं प्रशस्ति पत्र दिया गया है।

पूरे छत्तीसगढ़ में इस योजना के तहत अनुसूचित जाति वर्ग के दो और जनजाति वर्ग से छह विद्यार्थियों का चयन किया गया है। चमन भारती ने 12वीं की बोर्ड परीक्षा में इस साल 87 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। सुहेला के शांति देवी हायर सेकंडरी स्कूल से उसने 12वीं की पढ़ाई की है। भविष्य में छात्रा डॉक्टर बनना चाहती है।

ग्रीस में सम्मान- ममता अहार

दिल्ली की सांस्कृतिक संस्था विधि भारती के नेतृत्व में प्रदेश की कलाकार ममता अहार को राष्ट्रभारती सम्मान-2019 ग्रीस में मिलेगा। ममता देश और विदेश में लेखन, निर्देशन और नाट्य लेखन के लिए स्विट्जरलैंड, बेल्जियम, नीदरलैंड, आस्ट्रिया और अन्य देशों में प्रस्तुति दे चुकी हैं। विधि भारती संस्था के संयोजक ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन, ग्रीस में यह सम्मान प्रदान किया जाएगा।

छग को ई-पंचायत पुरस्कार

पंचायतों के सशक्तिकरण और विभागीय योजनाओं को लागू करने में सूचना और संचार तकनीक के प्रभावी उपयोग के लिए छत्तीसगढ़ का चयन भारत सरकार के पंचायतीराज मंत्रालय ने ई-पंचायत पुरस्कार के लिए किया है। आईसीटी के इस्तेमाल में प्रदेश को पूरे देश में तीसरा स्थान मिला है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव ने इस उपलब्धि के लिए पूरे विभागीय

Vikas Parakh-July-19.qxd 7/11/2019 10:24 AM Page 5

अमले को बधाई दी है।

उल्लेखनीय है प्रदेश में ग्राम पंचायतों की नेटवर्किंग, योजनाओं को लागू करने और उनकी मॉनिटरिंग में कम्प्यूटर तथा सूचना और संचार तकनीक का सफलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है। पंचायत विभाग के कार्यों में पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही लाने के लिए इन तकनीकों का व्यापक इस्तेमाल किया जा रहा है। केन्द्र सरकार के पंचायतीराज मंत्रालय ने आईसीटी के द्वारा ग्रामीण अंचलों में स्थानीय स्वशासन को मजबूत करने के छत्तीसगढ़ शासन की कोशिशों की भरपूर सराहना की है।

बिजलीः देश के श्रेष्ठ राज्यों में छत्तीसगढ़

बिजली की उपलब्धता के मामले में छत्तीसगढ़ देश के श्रेष्ठ पांच राज्यों में शामिल है। छत्तीसगढ़ में अत्याधुनिक टेक्नालाजी का उपयोग 22 घंटें तक बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय ने अपने वेबपोर्टल पर विभिन्न् प्रदेशों की बिजली व्यवस्था का मूल्यांकन कर राज्यों को उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु रेटिंग किया गया। इस सूची में छत्तीसगढ़ राज्य के बिजली व्यवस्था को देश के उत्कृष्ट श्रेणी में अंकित किया गया।

केंद्र सरकार की सेफी (सिस्टम एवरेज इंटरप्शन फ्रिक्वेंसी इंडेक्स) की रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य के डिवीजनों के फीडरों का भी मूल्यांकन किया गया। इस प्रतिवेदन के अनुसार छत्तीसगढ़ के फीडरों को टॉप थ्री में स्थान दिया गया है।

योजना

अटल नगर में पांच मॉडल स्टेशन

अटल नगर अर्थात नई राजधानी में रेलवे कनेक्टिविटी परियोजना को शुरू करने 160 करोड़ रुपए खर्च होंगे। नए शहर में तेजी से आबादी बसाने के लिए मंदिर हसौद से केंद्री तक 20 किमी रेल के बीच में पांच मॉडल स्टेशन बनाने की योजना है।

नई ट्रैक पर चार स्टेशन बनाएगा। रेलवे से एमओयू के मुताबिक एनआरडीए को स्टेशन अपने खर्च पर बनवाने हैं। 160 सौ करोड़ रुपए की लागत से स्टेशनों का निर्माण होना है।

इनमें से केंद्री को छोड़कर बाकी स्टेशन एएनवीपी बनाएगा। इनमें नया रायपुर, उद्योग नगर, सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट और मुक्तांगन स्टेशन शामिल हैं। सभी स्टेशन आने वाले 30 साल के प्लान के हिसाब से बनाए जाएंगे, ताकि नए रायपुर की आबादी 15 लाख से अधिक होने के बाद भी स्टेशनों में जगह की कमी महसूस न हो।

स्टील प्लांट का मुख्यालय नगरनार में

अब नगरनार स्टील प्लांट का मुख्यालय हैदराबाद में नहीं बल्कि नगरनार में ही होगा।

एनएमडीसी के नगरनार स्टील प्लांट के ग्रुप-सी और ग्रुप-डी की भर्ती की परीक्षा अब दंतेवाड़ा में ली जायेगी। एनएमडीसी छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय युवाओ को अपनी कंपनी में मौका दे और भर्ती परीक्षा स्थानीय स्तर पर कराए, ताकि ज्यादा से ज्यादा बस्तर के युवा इसमें शामिल हो सकें।

लोकसेवा गारंटी के काम रोस्टर प्रणाली से

लोकसेवा गारंटी योजना के तहत तय समय सीमा में होने वाले कामों को पूरा करने के लिए रोस्टर की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

सीमांकन-बटांकन के लिए बांटेंगे काम

सीमांकन और बटांकन के लंबित कामों को शीघ्र निराकरण के लिए भी शेड्यूल बनेगा। इसके लिए राजस्व विभाग के अधिकारी पटवारियों के साथ राजस्व निरीक्षकों को भी जिम्मेदारी दी जाएगी, ताकि नए प्रकरणों को समय पर निराकरण कर दिया जाए।

तीन माह के अंदर दस्तावेज प्रदान करने का नियम

जाति, निवास, सहित भू-राजस्व से जुड़े दस्तावेज और प्रमाण पत्र देने का प्रावधान है। इसका उल्लंघन करने पर आवेदक शिकायत पर इस अधिनियम के तहत जिम्मेदारों पर 100 से एक हजार र्स्पए जुर्माने की कार्रवाई किए जाने के नियम हैं।

इस तरह बनेगी निराकरण की व्यवस्था

1. अधिनियम के पालन और निराकरण कराने के लिए अफसरों की तैनाती।
2. विभागीय कार्यालयों में एक-एक अफसर की नियुक्ति।
3. सरकारी कार्यालयों में दिए गए आवेदनों की स्थिति की सूचना के लिए बोर्ड भी लगाना।

इन तय समयावधि में प्रमाण देने का प्रावधान

1. शासकीय इंजीनियरिंग कालेज के छात्रों के चरित्र प्रमाण पत्र और ट्रांसफर सात दिन में।
2. रोजगार पंजीयन उसी दिन होता है।
3. रोजगार कार्यालय को रिक्त स्थानों के लिए छह दिन में बेरोजगारों को सूचना।
4. जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र सात दिवस में।
5. आवेदक को नल कनेक्शन तीन दिन में।
6. स्ट्रीट लाइट सात दिन में बदलना
7. आवश्यक सफाई पांच दिन में।
8. गरीबी रेखा प्रमाण पत्र सात दिन में।
9. बुनकर सहकारी समितियों के वित्तीय प्रस्ताव 45 दिन में।
10. निवास प्रमाण पत्र सात दिन में।
11. जाति प्रमाण पत्र सात दिन में सहित अन्य सेवाओं का समय निर्धारित है।

'नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी' योजना

देश में किसानों की आय दुगुना करने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए छत्तीसगढ़ में हाल ही में लागू 'नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी' योजनाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। कृषि आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने, स्थानीय संसाधनों को विकसित करने और व्यापक तौर पर पर्यावरण संरक्षण को को ध्यान में रखकर यह कार्यक्रम प्रारंभ किया गया हैं।

छत्तीसगढ़ी में नरवा का अर्थ - प्राकृतिक नाले,
गरवा -पशुधन,
घुरवा - अपशिष्ट पदार्थो का भण्डार और
बाड़ी -छोटी बागवानी।

इस योजना के अंतर्गत भू-जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए नाले में बहते पानी को रोक ना, गाय तथा गौवंशीय पशुधन को बचायें तथा इनका किसानों एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उपयोग सुनिश्चित करना। इसके साथ ही गोबर तथा अन्य जैविक ग्रामीण अपशिष्ट पदार्थो से कम्पोस्ट खाद का निर्माण एवं बाड़ी अर्थात हर किसान तथा ग्रामीण के यहां छोटे बगीचों का विकास करना।

मंत्रिपरिषद के निर्णय

आयकरदाताओं को रियायती दर पर खाद्यान्न

छत्तीसगढ़ सरकार ने आयकरदाताओं समेत राज्य के सभी 65 लाख परिवारों को रियायती दर पर खाद्यान्न मुहैया करवाने का निर्णय लिया है। सभी 65 लाख परिवारों को राशन कार्ड प्रदान किया जायेगा। वर्तमान में 58 लाख परिवारों के राशन कार्ड है। अब आयकर दाताओं के भी राशन कार्ड बनेगे। सात लाख नये परिवारों समेत सभी 65 लाख परिवारों के लिए नये राशन कार्ड बनाये जाएंगे। सामान्य श्रेणी के कार्डों को दो समूहों में विभक्त करते हुए सामान्य श्रेणी (आयकरदाता) एवं सामान्य श्रेणी (गैर आयकरदाता) का राशन कार्ड पात्रता अनुसार जारी किया जाएगा। सामान्य श्रेणी (आयकरदाता) एवं सामान्य श्रेणी (गैर आयकरदाता) के लिए चावल की दर 10 रूपए प्रतिकिलो निर्धारित किया गया हैं। नये राशन कार्ड बनने तक वर्तमान राशन कार्डधारियों को पुराने राशन कार्ड से सामग्री मिलते रहेगी।परिवार में मात्र एक सदस्य होने पर 10 किलो चावल मिलेगा, दो सदस्य होने पर 20 किलो तथा तीन से पांच सदस्य होने पर 35 किलो मिलेगा। पांच से अधिक सदस्य होने पर प्रति सदस्य की दर से सात-सात किलो चावल अतिरिक्त दिया जाएगा।

अटल नगर, अटल नगर विकास प्राधिकरण और अटल स्मार्ट सिटी कार्पोरेशन के नाम के आगे 'नवा रायपुर' जोड़ने तथा **धान खरीदी एवं कस्टम मिलिंग की नीति की समीक्षा कर सुधार करने हेतु मंत्रिमंडलीय उप समिति का गठन करने** का निर्णय लिया है।

राज्य के कारखानों से ही शक्कर खरीदेगी सरकार- प्रदेश सरकार पीडीएस से हितग्राहियों को शक्कर देने के लिए खुले बाजार से शक्कर खरीदती थी। लेकिन सरकार ने यह निर्णय लिया है कि इस बार सरकार खुले बाजार से नहीं बल्कि उसी दर पर राज्य के कारखानों के शक्कर खरीदेगी।

फीस नियामक आयोग बनेगा- हर साल होने वाली फीस वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए सरकार फीस नियामक आयोग बनाएगी।

आरटीई के तहत 12वीं तक शिक्षा फ्री- प्रदेश में शिक्षा के अधिकार कानून के तहत 8वीं से आगे की पढ़ाई के इच्छुक कमजोर आर्थिक स्थिति वाले बच्चों को अब प्रदेश सरकार 12वीं तक फीस और किताबें मुफ्त देगी। ऐसे बच्चों की संख्या करीब 7600 है। अब तक प्रदेश में ये लाभ 8वीं तक के बच्चों को मिलता था।

वन अधिकार अधिनियम- छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त पट्टाधारी कृषकों को भी लघु एवं सीमांत कृषकों की तरह प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से लाभान्वित करने का आग्रह किया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से प्रति वर्ष छह हजार रूपए के स्थान पर प्रति वर्ष 12 हजार रूपए प्रदाय करने का भी अनुरोध किया है।

इस योजना के हितग्राहियों में वन अधिकार अधिनियम अंतर्गत प्राप्त पट्टेधारियों को शामिल नहीं किया गया है, जो कि पट्टे की भूमि पर खेती कर रहे हैं और गरीबी रेखा के नीचे है। छत्तीसगढ़ राज्य के लगभग 4 लाख परिवारों को वन अधिकार अधिनियम 2006 के अंतर्गत पट्टे प्रदान किए गए हैं तथा अभी भी वन अधिकार पट्टा दिए जाने की कार्यवाही की जा रही है।

वनवासी एवं आदिवासी समुदाय के लोगों को जीवन-यापन के परम्परागत अधिकार प्रदान करने के उद्देश्य से 'वन अधिकार अधिनियम 2006' लागू किया गया है। यह कानून वनवासियों को व्यक्तिगत एवं सामुदायिक अधिकार प्रदान करता है। इन परिवारों को पट्टा दिए जाने के बाद विभिन्न योजनाओं के माध्यम से इन्हें लाभान्वित करने के भी प्रावधान किए गए हैं,

Vikas Parakh-July-19.qxd 7/11/2019 10:24 AM Page 6

मुख्यमंत्री शामिल हुए नीति आयोग की बैठक में

फिर से प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल उनसे दिल्ली जाकर मुलाकात की। दिल्ली में नीति आयोग की बैठक में मुख्यमंत्री शामिल हुए। अपनी मुलाकात के दौरान भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ से जुड़े लंबित विषयों के निराकरण का आग्रह किया। जो निम्नानुसार है-

आकांक्षी जिलों को केन्द्र सरकार से 100 प्रतिशत वित्त पोषण एवं अनुदान की मांग

छत्तीसगढ़ मे 44 प्रतिशत वन है जिसमें मुख्य रूप से 10 आकांक्षी जिलों के 8 जिलों में वनों का प्रतिशत बहुत अधिक है। इन जिलों में बिजली, पानी, सड़क और सिचाई आदिवासियों तक पहुचाना बहुत कठिन हो गया है।

इन क्षेत्रों में सोलर बिजली के माध्यम से पानी के पम्प की व्यवस्था, बिगड़े वन क्षेत्रों में वाणिज्यिक रूप से सोलर बिजली उत्पादन की अनुमति, लघुवनोपज पर आधारित उद्योगों की स्थापना वन भूमि पर करने की छूट, सोलर पम्पों के माध्यम से छोटी सिचाई योजनाओं की स्थापना के लिए वन भूमि में छूट, आदिवासी बेरोजगार युवकों को लघुवनोपज एवं खाद्य प्रसंस्करण के लिए अनुदान

माओवादी उग्रवाद से निपटने रसमन्वित नीति बने-

प्रभावित राज्य सरकारों की उसमें समुचित भूमिका हो ताकि ऐसी हिंसा के खिलाफ प्रदेश एकजुट होकर समन्वित कार्यवाही करें।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास और रोजगार पर विशेष जोर- रोजगार की आवश्यकता अनुरूप पर्याप्त आर्थिक सहायता से ही हम स्थानीय बेरोजगार युवाओं को भ्रमित होने से बचा सकेंगे।

नक्सल आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति का पुनराविलोकन हो- कई बड़े केन्द्रीय कमेटी स्तर के नक्सली जो 25-35 वर्षों तक हिंसक गतिविधियों में लिप्त रहते हैं और बीमारियों से ग्रसित होकर या बढ़ती उम्र के कारण आत्मसमर्पण करते हैं। वर्तमान नीति के कारण वे अंतत: सजा पाने से बच निकलते हैं।

माओवाद हिंसा से प्रभावित क्षेत्रों में सड़क निर्माण की प्रगति, ऑप्टिकल फाइवर कनेक्टिविटी, सुरक्षा बलों के लिए टेक्टिकल मिनी यूएव्ही, बस्तर में रेल लाइन के विकास कार्य में तेजी लाने, वंचित संस्थाओं को खाद्यान्न आवंटन, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में सुधार लाने, फूड सब्सिडी, महात्मा गांधी नरेगा में आवटंन की समस्या, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), गोबर-धन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), स्टैंड-अप इंडिया योजना, सूखे की स्थिति एवं राहत के उपाय तथा कृषि क्षेत्र में संरचनात्मक सुधारों की आवश्यकता पर भी अपनी बात कही।

चावल को केन्द्रीय पूल में मान्य करे

राज्य शासन ने किसानों से 2500 रू प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी की हैं। इससे राज्य में अतिरिक्त धान का उपार्जन हुआ हैं। केन्द्र सरकार के वर्तमान में निर्देश के अनुसार राज्य सरकार द्वारा संचालित एवं केन्द्र अथवा राज्य सरकार के स्वामित्व वाले छात्रावास/कल्याणकारी संस्थाओं को छोड़कर सभी छात्रावास/कल्याणकारी संस्थाओं को इस योजना के अंतर्गत खाद्यान आबंटन हेतु मान्य नहीं किया गया है। जिसके कारण राज्य सरकार से अनुदान एवं मान्यता प्राप्त 471 संस्थाओं के 43,640 अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के छात्रों के साथ-साथ समाज के वंचित एवं नि:सहाय वर्ग के लोगों के लिए माह अप्रैल, 2019 से रियायती दर पर 655 टन चावल का प्रदाय बंद हो गया है। किसानों के हित को देखते हुए सार्वजनिक वितरण प्रणाली की आवश्यकता के अतिरिक्त चावल को केन्द्रीय पूल में लेने की स्वीकृति प्रदान करे।

नल कनेक्शन प्रदान करने के लिए शत प्रतिशत अनुदान

राज्य के हर घर में नल कनेक्शन के माध्यम से पेयजल प्रदाय करने की योजना के लिए केन्द्र सरकार को शत-प्रतिशत अनुदान प्रदान करना चाहिए। जिस प्रकार शत-प्रतिशत विद्युतीकरण को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर प्रयास हुए हैं उसी प्रकार हर घर में पेयजल की व्यवस्था के लिए भी प्रयासों की जरूरत है।

भारतीय वन अधिनियम, 1927 में प्रस्तावित संशोधनों में अनेक खामियां हैं, जिससे वन क्षेत्रों में निवासरत आदिवासियों के हितों का संरक्षण नहीं किया गया है उन्होंने इसमें संशोधन पर जोर दिया हैं।

किसान सम्मान निधि योजना केन्द्र वन अधिकार प्राप्त किसानों को शामिल की मांग-

सरकार द्वारा देश के लघु एवं सीमांत कृषकों को लाभांवित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना आरंभ की गई है। इस योजना के हितग्राहियों में अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 के तहत् वन अधिकार प्राप्त किसानों को शामिल करते हुए 12 हजार रूपए प्रतिवर्ष सम्मान निधि देने की मांग की।

उज्जवला योजना के अंतर्गत 5 किलो वाले गैस सिलेण्डर की आपूर्ति की मांग

वार्षिक रिफिल प्रतिशत औसतन 1.7 है, जो कि अत्यंत कम है। इसलिए 5 किलो वाले गैस सिलेण्डर की आपूर्ति ऑयल कंपनियों द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में आपूर्ति की जानी चाहिए ताकि बीपीएल परिवार की क्रय क्षमता के अंतर्गत एलपीजी का उपयोग सुनिश्चित हो सके।

केरोसिन का कोटा बढ़ाने की मांग

गरीबी की रेखा से नीचे आने वाले परिवारों को खाना पकाने हेतु ईधन के रूप में केरोसिन की आवश्यकता होती है। अत: राज्य हित में केरोसिन का कोटा एक लाख 15 हजार किलो लीटर से बढ़ाकर एक लाख 58 हजार किलो लीटर किया जाना चाहिए।

आवंटित खदानों से राज्य को मिले बिजली का हिस्सा

शासकीय उपक्रमो हेतु आबंटित खदानों में 100 रूपये प्रति टन के स्थान पर 500 रूपये प्रति टन प्रिमियम दिया जाये तथा छत्तीसगढ राज्य को उत्पादित विद्युत का हिस्सा भी दिया जाये।

आवास एवं पर्यावरण विभाग की ओर से प्लास्टिक उत्पादों पर प्रतिबंध आदेश

कोई भी उद्योग, प्लास्टिक कैरी बैग, अल्प जीवन पीवीसी और क्लोरीनेटेड प्लास्टिक से बने विज्ञापन व प्रचार सामाग्री, बैनर, फ्लैक्स, होर्डिंग, फोम बोर्ड और कैटरिंग में प्रयुक्त सामाग्री कप, गिलास, प्लेट, कटोरी, चम्मच का निर्माण, भंडारण, विक्रय, परिवहन, आयात, उपयोग कोई भी व्यक्ति, दुकानदार, उद्योग, वेंडर, थोक व खुदरा विक्रेता नहीं करेंगे।

इसके साथ ही निर्देशित किया गया है कि व्यापारी, दुकानदारों को 100 रुपए के स्टांप पेपर पर इसके उपयोग नहीं करने का शपथ पत्र देना होगा। जो भी प्लास्टिक के उत्पाद बनेंगे, उस पर निर्माता का नाम, पंजीकरण नंबर और प्लास्टिक का प्रकार लिखना अनिवार्य होगा। साथ ही भारतीय मानक ब्यूरो के मुताबिक, मानकों के अनुरूप उत्पादों पर चिन्ह अंकित करने होंगे। जिससे प्लास्टिक की क्वॉलिटी, उसकी क्षमता व उसके प्रकार के बारे में जानकारी स्पष्ट हो सके।

कृषि/वन/खनिज

सुगंधित धान को बचाने भाभा एटामिक रिसर्च सेंटर से करार

विलुप्त होने की कगार पर पहुंच चुकी सुगंधित धान की 24 धान किस्मों को बचाने के लिए अब इनमें सुधार किया जाएगा। वैज्ञानिक विकिरण पद्धति से इन फसलों की ऊंचाई कम की जाएगी। साथ ही इनके पकने की अवधि को भी घटाया जाएगा।

इसके लिए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर (बार्क) और बोर्ड ऑफ रिसर्च इन न्यूक्लियर साइंसेस भारत सरकार के बीच करार हुआ है। इससे पहले सुगंधित धान की किस्म दुबराज में विकिरण पद्धति के माध्यम सुधार किया गया। इसके नतीजे अच्छे रहे। भारत सरकार से करीब पौने तीन करोड़ के इस प्रोजेक्ट को मंजूरी मिली है।

छत्तीसगढ़ में सुगंधित धान की कई किस्में हैं। इसकी वजह से ही छत्तीसगढ़ की पहचान धान के कटोरे के रूप में हैं। धान की सुगंधित किस्में अब विलुप्त होने की कगार पर हैं। क्योंकि इन किस्मों में उपज कम है। इसमें किसान फायदा नहीं देखते इसलिए सुगंधित किस्मों का दायरा सीमित होता जा रहा है। इसकी एक वजह यह है कि जितनी भी सुगंधित किस्में हैं उनकी ऊंचाई ज्यादा है। वहीं पकने की अवधि भी ज्यादा है।

सुगंधित धान की इन किस्मों में होगा सुधार

तुलसी मंजूरी, गोपाल भोग, तिलकस्तुरी, गोवर्धन काली कमोद, लक्ष्मी भोग, गंगाधारा, रामजीरा, दगड़ीकाजर, लोकती माछी, बथरश, कुम्हड़ाफूल, अलसाकर, दानीधोड़ा, अडंगा धान, रुद्रधान, रोटीधान, अलछाधान, कदमफूल,मेहरधान, डावरधान, इलाइची, करहनी, पीहूधान, चपटीगुरमटिया।

रसीली लीची

छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक लीची का उत्पादन जशपुर जिला में होता है, लेकिन इसकी कीमत ना मिल पाने की वजह से किसानों को अपेक्षित आर्थिक लाभ नहीं मिल पाता है। लीची की आवक बमुश्किल 15 से 20 दिन की होती है। इस दौरान जिले भर में लीची की भरपूर आवक होती है। इसके बाद यह पूरी तरह से खत्म हो जाती है। ऐसे में सिर्फ लीची के बूते प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित कर इसे संचालित करना व्यवहारिक रूप से बहुत मुश्किल होगा।

लीची से गुलजार हुआ बाजार

घर की बाड़ी में लीची के 5 पेड़ से साल में 15 से 20 हजार रुपये की कमाई हो जाती है। जशपुर से लीची रायपुर, रायगढ़, बिलासपुर के साथ पड़ोसी राज्य झारखण्ड के गुमला, रांची, लोहरदग्गा और ओडिसा के संबलपुर, झारसुगड़ा बड़े पैमाने में जा रही है।

आम महोत्सव में प्रथम- स्वर्ण-प्रभा

Vikas Parakh-July-19.qxd 7/11/2019 10:25 AM Page 30

“स्वपरख प्रतियोगिता”

राष्ट्रीय

1. स्थल का नाम लिखें

1. 1600 वर्ष पुरानी बिना जोड़ के एक ही धातु का बना है।
2. इसमें लिखे संस्कृत संदेश में राजा चंद्र का नाम उल्लेखित है।
4. स्तंभ की ऊंचाई 635.5 से.मी. है।

उत्तर:- ....

2. व्यक्ति को पहचानकर नाम लिखे

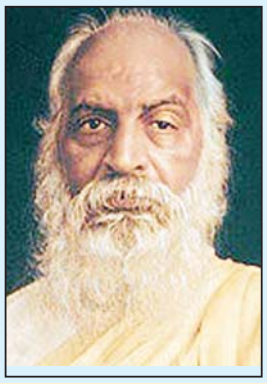

1. स्वराज्य पार्टी के प्रमुख नेता केंद्रीय असेम्बली के पहले गैर सरकारी अध्यक्ष निर्वाचित हुए।
2. 1930 में नजरबंद हुए स्वास्थ्य खराब होने के कारण यूरोप चले गए।
3. सुभाष चंद्र बोस से मिलकर उन्होंने अपनी संपत्ति राष्ट्रीय कार्यों के लिए वसीयत कर दी।
4. आस्ट्रिया की राजधानी वियना में उनकी मृत्यु हुई।

उत्तर:- ....

3. जनजाति का नाम लिखे

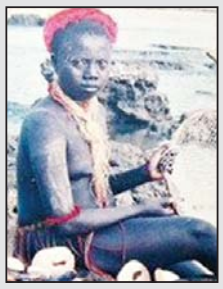

1. हिन्द महासागर के टापुओं पर पिछले 55,000 वर्षों से निवास कर रही जनजाति के लोगों के मूल ओरिजिन अफ्रीका महाद्वीप माना जाता है.
2. पाषाण युग में जी रही विश्व की सबसे पुरानी जनजाति।
3. नॉर्थ सेंटिनेल नामक एक द्वीप में एक अमरीकी व्यक्ति की हत्या का मामला सामने आया है.

उत्तर:- ....

4. दिया गया कथन किस स्वतंत्रता संग्राम सेनानी द्वारा कही गई है

1. दोस्तों। यदि मेरा विवाह गुलाम भारत में होना है, तो मेरी वधू केवल मौत होगी, बारात जुलूस के रूप में होगी और बाराती देश के लिए मर मिटने वाले वाले परवाने होंगे।

उत्तर:- ....

5. नीचे दिये गये बाक्स में प्रमुख कृषि क्रांतियों के उत्तर छिपे हुए हैं उन्हें ढूंढकर सीधी रेखा से चिन्हित करें

क	य	न	द	म	अ	ध	र	ग	ख	द्य	ण
ड	ज	च	स	उ	फ	व	ट	मां	झ	भ	य
प	आ	बा	ति	ड	क	उ	र	मा	स	व	ट
ड	च	लू	ग	ल	न	म	फ	व	ट	ह	प
ट	द	व	उ	वा	ह	भ	दु	य	न	र	क
वै	ई	ध	न	त्पा	नी	न	ग्ध	ज	उ	न	उ
न	भ	ऊ	र्जा	झ	द	फ	उ	म	द	च	त्पा
म	त्स्‍	य	उ	त्पा	द	न	लो	त्पा	द्य	झ	द
ढ	त	ह	उ	र्व	र	क	उ	त्पा	द	न	से
य	ख	न्न	फ	द्य	ख	गा	ण्डा	भ	च	न	व
फ	द्या	त	ढ	क	झीं	ट	अ	ढ	ल	क	फ
रत्ना	त्र	ज	ख	द	ग	अ	स	फ	य	ड	ठ

ढूंढने हेतु प्रश्न-
1. हरित क्रांति-
2. श्वेत क्रांति-
3. नीली क्रांति-
4. भूरी/धूसर क्रांति-
5. लाल क्रांति-
6. सुनहरी क्रांति-
7. गुलाबी क्रांति-
8. रजत क्रांति-
9. पीली क्रांति-
10. गैंल क्रांति-
11. ब्राउन/ब्लैक क्रांति-

छत्तीसगढ़

1. मंदिर का नाम लिखें

1. भगवान विष्णु की नरसिंह अवतर की भव्य मूर्ति रायपुर शहर के प्राचीन मंदिर में स्थित है।
2. मंदिर के स्थापक महंत बलभद्र दास जी थे जो सिर्फ दूध का सेवन करते थे।
3. मंदिर परिसर की स्थापना 1610 के आसपास की गई थी।
4. यह स्थान स्वतंत्रता संग्राम के दौरान महत्वपूर्ण केंद्र भी बना।

उत्तर:- ....

2. फल का नाम लिखें

1. पेड़ का वानस्पतिक नाम डायोस्पोरस मेलानोजायलोन है।
2. इस पेड़ के पत्तों से छत्तीसगढ़ के आदिवासियों का बहुत बड़ा व्यवसाय निर्भर करता है।

उत्तर:- ....

3. व्यक्ति को पहचानकर नाम लिखे

1.जन्म 25 अक्टूबर 1916 को दुर्ग जिले के पिनकापार ग्राम में हुआ।
2. नागपुर विश्वविद्यालय में कृषि विषय में स्नातक की उपाधि अर्जित की।
3. प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी डॉ. खूबचंद बघेल जी की सुपुत्री राधाबाई से विवाह हुआ।
4. आम जनता के दुख दर्द को मंच के माध्यम से अभिव्यक्त करने का निश्चय किया।

उत्तर:- ....

4. कृषि पद्धति का नाम लिखें

यह पैरे से धान अलग करने की प्राचीन कृषि पद्धति है, जिसमें बहुत सारे बैलों को आपस में बांधकर केंद्र में खूंटे लगाकर लगातार चलने के फलस्वरुप पैरे से धान अलग हो जाता है।

उत्तर:- ....

5. छत्तीसगढ़ की यह प्रसिद्ध पत्रिका आरंभिक दौर में किस स्थान से प्रकाशन प्रारंभ हुआ।

1. पत्रिका का प्रकाशन जनवरी 1900 में हुआ था।
2. यह छत्तीसगढ़ अंचल से प्रकाशित हिंदी की पहली पत्रिका थी।
3. इस अंक के छत्तीसगढ़ अंक प्रकाशित हुए।
4. अप्रैल 1901 में छपी माधवराव सप्रे की कहानी एक टोकरी भर मिट्टी हिंदी की पहली कहानी है।

उत्तर:- ....

नियमावली

1. प्रतिभागी सही उत्तर भरकर इस पूरे प्रपत्र की फोटो व्हाटअप नं. में या प्रपत्र को डाक के द्वारा भेज सकते हैं। प्रतिभागी स्वयं आकर विकास परख कार्यालय में दे सकते हैं। 2. सही उत्तर प्रपत्र हर माह के 25 तारीख तक प्राप्त डाक पर ही विचार किया जाएगा। उसके बाद प्राप्त प्रपत्र को प्रतियोगिता में नहीं लिया जाएगा। 3. सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों की संख्या अधिक होने की स्थिति में लाटरी पद्धति से विजेता चयन किया जाएगा। 4. लाटरी से निकाले गए प्रथम नाम विजेता घोषित होगा, आगामी पत्रिका में नाम व फोटो प्रकाशित होगा तथा साथ ही 1 वर्ष का विकास प्रक डाक से या सीधे संपर्क के द्वारा नि:शुल्क दिया जाएगा। लाटरी से निकले द्वितीय व तृतीय नाम को 6 माह के विकास परख नि:शुल्क दिया जाएगा। (**नोट- डाक सेवा से होने वाली देरी को विकास परख की जिम्मेदारी नहीं होगी**) 5. इस माह में दिए गए प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित अगले माह में प्रकाशित किया जाएगा। 6. किसी भी प्रतिभागी को एक बार विजेता घोषित किया जाएगा। 7. प्रथम प्रतियोगिता विकास परख के लिए अभ्यास स्वरुप है किसी भी व्यहारिक असुविधा होने पर नियमावली में समयानुसार परिवर्तन किया जा सकता है।

कार्यालय पता- 29/1110, सेवती स्मृति आजाद चौक, रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001, व्हाटअप नं. 7587776754

प्रतिभागी अपना विवरण दें

नाम:- ....

शिक्षा:- ....

पता:-मं.नं ....

ग्राम/पोस्ट ....तह.- ....

जिला-..................राज्य-..................

पिन............ मो:- ....

पासपोर्ट फोटो चिपकाएं